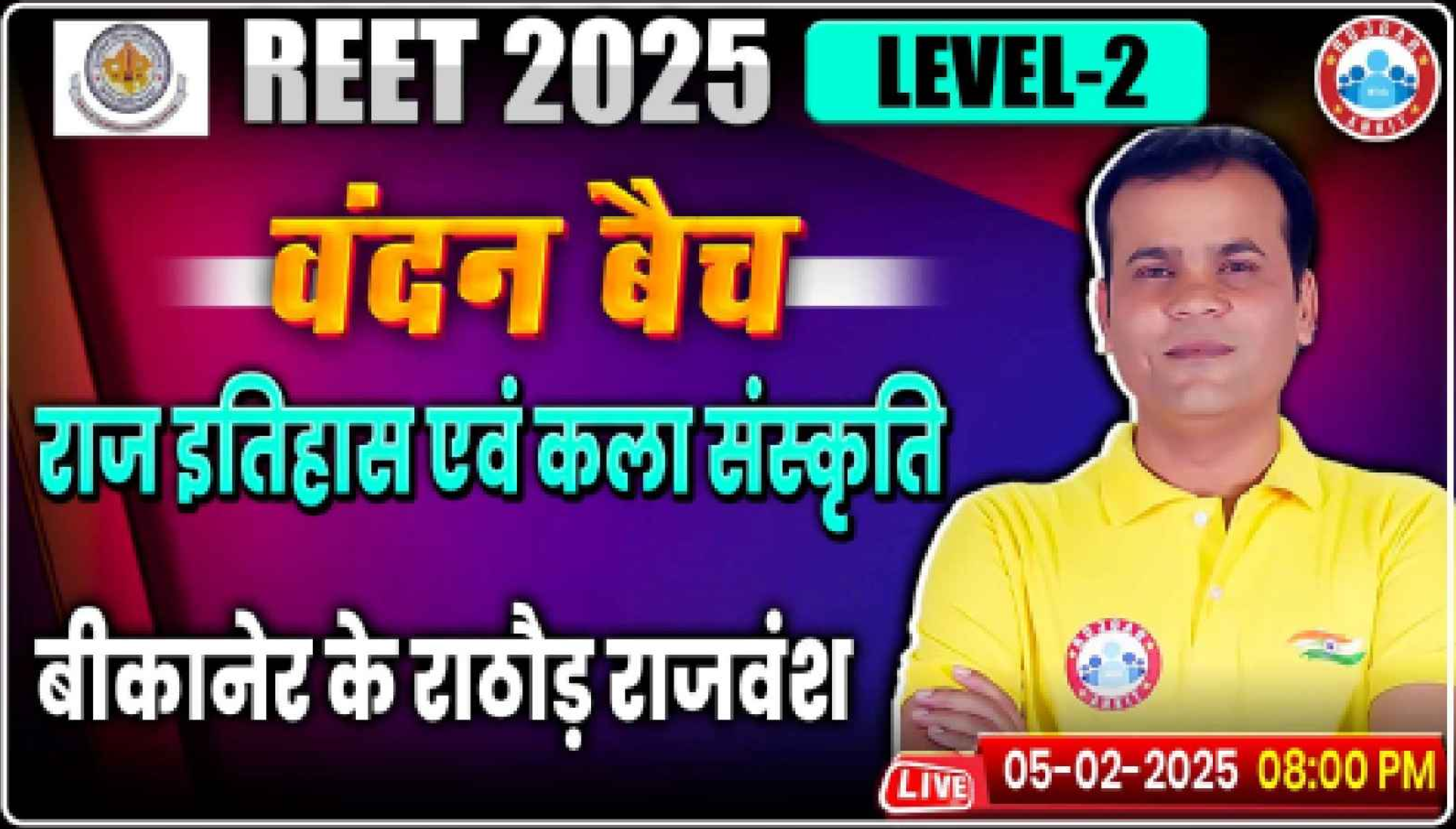
REET 2025
LEVEL-2
वंदन बैच
राज इतिहास एवं कला संस्कृति
बीकानेर के राठौड़ राजवंश
LIVE
05-02-2025 08:00 PM

बीकानेर का राठौड़ राजवंश

बि लु जका राम्द कर कान मे आलू की गंगा बहाओ

- बीका
- लूणकरण
- जैतसी
- कल्याणमल
- रायसिंह
- दलपत
- कर्णसिंह
- अनुपसिंह
- सुरतसिंह
- गंगासिंह

राव जैतसी

कल्याणमल

रायसिंह

उपनाम → बीकानेर भाग को जांगल प्रदेश, कुरू जांगला, माद्रेय जांगला भी कहा जाता है

→ बीकानेर के सिक्कों पर जाल वृक्ष बना होता था

→ इनके झण्डे पर "जय जंगलधर बादशाह" लिखा होता था

→ राव बीका : राव बीका ने 1465 में करणी माता के आशीर्वाद से जांगल प्रदेश की नींव रखी
↳ राजधानी → अहिछत्रपुर (नागौर)

नोट : रातीघाटी : बीकानेर में लाल मिट्टी / बजरी के कारण तथा मुल्तान अजमेर, नागौर त्रिकोण रास्तों को कहा जाता था

→ 1472 में राव बीका ने कौडमदेसर को राजधानी बनाया तथा।
भैरूजी का मंदिर बनवाया जो राज. में भैरूजी का प्राचीनतम मंदिर माना जाता है।

→ शेखा का स्वाधिकार था कौडमदेसर पर

→ करनी माता के सहयोग से राव शेखा की पुत्री के साथ राव बीका का विवाह

→ बीकानेर शासकों का राजतिलक "पाण्डू जाट के गोदारा" करते थे

→ 1488 में राव बीका ने बीकानेर शहर बसाया → वैशाख शुक्ल द्वितीया शनिवार के दिन

→ बीकानेर की स्थापना → वैशाख शुक्ल III (आखातीज)

राव बीका और सुजा के मध्य युद्ध

↳ राव बीका जोधपुर से बीकानेर लेकर आया

→ नागणेची माता की प्रतिमा — 18 हाथों वाली देवी ✓

→ हडबु जी की कटार ✓

→ लक्ष्मी नाथ जी प्रतिमा ✓

राव बीका का अन्तिम आक्रमण रेवाड़ी का था

नोट → राव जोधा से नाराज होकर जोधा के भाई कांधल, जोधा का पुत्र बीका, निम्बा जांगल प्रदेश आये और करणी माता के आशीर्वाद से यहां पर अपना आधिपत्य किया

→ राव लूणकरण →1504-1526

↳ लोकसन्त जसनाथ जी के आशीर्वाद से राजा बने

↳ जाल वृक्ष को महत्व राव लूणकरण ने दियो और सिक्को पर अंकित करवाया।

↳ राव जैतसी रो छंद : बिठू सुजा

↳ इसमे राव लूणकरण को कलयुग का कर्ण कहा है।

↳ कर्मचन्द वंशों त्कीर्तनकाव्यम → जय सोम

↳ इसमे कर्ण से तुलना की गयी है रावलूणकरण की

↳ राव लूणकरण ने जैसलमेर शासक जैतसी को हराया

〃 नागौर के शासक → मोहम्मद खाँ को हराया

→ राव लूणकरण ने लूणकरणसर झील बनवायी

→ अपने नाम से लूणकरण सर शहर बसाया

→ राव लूणकरण ने मेवाड़ शासक रायमल की पुत्री के साथ विवाह किया

→ राव लूणकरण ने अपनी पुत्री बालाबाई का विवाह आमेर शासक पृथ्वीराज कछवाह के साथ किया

→ राव लूणकरण ने लक्ष्मीनाथ जी का मन्दिर बनवाया था

→ बीकानेर शासक स्वयं को लक्ष्मीनाथ जी का दीवान मानते है।

राव जैतसी :- 1526-1541

↳ बीकानेर पर मुगल शासक बाबर के पुत्र कामरान ने 1534 मे आक्रमण कर अधिकार किया।

↳ कुछ समय बाद अक्टूबर 1534 मे राव जैतसी ने बीकानेर पर पुनः अधिकार किया।

खानवा युद्ध मे राजा सांगा राव जैतसी को पत्र लिखा जैतसी ने अपने पुत्र कल्याणमल खानवा युद्ध मे भेजा

↳ पोहेबा/साहेबा का युद्ध :- 1541/42 → मारवाड़ राजा मालदेव ने बीकानेर पर अधिकार किया और जैतसी मारा गया।

↳ राव जैतसी ने मालदेव के खिलाफ शेरशाह सूरी से सहायता लेने के लिए नगराज को भेजा।

→ इस युद्ध के बाद मालदेव ने कूम्पा को "डीडवाना" परगना दिया था।

→ इस युद्ध का वर्णन राव जैतसी रा छंद मे मिलता है

कल्याणमल → 1541 - 1574 ✓

↳ 1541-44 तक राव मालदेव का अधिकार था बीकानेर पर

↳ खानवा युद्ध मे राणा सांगा का साथ दिया

↳ गिरी सुमेल का युद्ध → (1544 को) → अफगान शासक शेरशाह सुरी का साथ दिया। तथा शेरशाह सुरी के सहयोग से 1544 मे बीकानेर पर अधिकार किया।

↳ अफगानो की अधिनता स्वीकार करने वाला पहला राजा था → कल्याणमल

↳ मुगलो की " " " " " " " " " " " → कल्याणमल था

↳ मुगलो से वैवाहिक संबध स्थापित करने वाला पहला शासक → बीकानेर का

↳ 1570 मे नागौर दरबार मे कल्याणमल अपने दो पुत्रो के साथ पृथ्वीराज राठोड और राय सिंह के साथ अकबर की अधिनता स्वीकार की थी

महाराजा रायसिंह → 1574-1612

उपाधियाँ : महाराजा की उपाधि धारण करने वाला पहला शासक BKNR का

↳ राजेन्द्र (शत्रुओं के साथ मित्रता का व्यवहार करने वाला

उल्लेख ↳ कर्मचन्द्रवंशोत्कीर्तनकाव्य - (जयसोम)

↳ राजपूताने का कर्ण → मुंशी देवी प्रसाद ने कहा रायसिंह

↳ मुगल दरबार का स्तम्भ

→ राय सिंह → अकबर का दूसरा विश्वासपात्र राजपूत राजा
↳ अकबर ने 4000 का मनसब दिया।
↳ जहांगीर का पहला विश्वासपात्र राजा
↳ जहांगीर ने 5000 का मनसब दिया।
↳ मुगल शासक जहांगीर के दरबार का स्तम्भ माना जाता था रायसिंह

रायसिंह के अभियान :
→ कठोली का युद्ध → इस युद्ध मे इब्राहिम मिर्जा को हराया।
सिवाणा का फत्ता राठौड़ को हराया।
→ सिरोही के देवड़ा सुरतान को मुगलो की अधीनता स्वीकार करवायी → 1576

→ मुगल शासक अकबर ने क्रमशः 1572 जोधपुर और 1574 सिवाणा दुर्ग का प्रशासक राय सिंह को बनाया।

→ महाराजा राय सिंह ने जूनागढ़ दुर्ग बीकानेर दुर्ग का निर्माण करवाया। यह दुर्ग कर्मचंद की देख रेख में बना

→ बीकानेर चित्रकला उद्भव → रायसिंह के समय (रुकनुद्दीन चित्रकार)
↳ भागवत पुराण ग्रंथ चित्रित किया

↳ महाराजा राय सिंह के ग्रन्थ → रायसिंह महोत्सव, वैधक वंशावली
ज्योतिष रत्न माला
बाल बोधिनी → टीका

imp

↳ रायसिंह का सबसे बड़ा ग्रन्थ → वैधक वंशावली

1612 मे बुरहानपुर महाराष्ट्र मे रायसिंह की मृत्यु

→ दलपत सिंह :→

↳ मुगल शासक जहांगीर ने बीकानेर शासक दलपत सिंह की हत्या करवायी | फांसी दी गयी

पृथ्वीराज राठौड़ : कवि

→ कल्याणमल का पुत्र

→ मुगल शासक अकबर ने गागरौण दुर्ग दिया

→ रचना → डींगल भाषा में

वेली कृष्ण रुक्मणी री वचनीका

→ जोधपुर के कवि दुरसा आढा ने इसे 5 वा वेद और 19 वा पुराण कहा

→ कर्नल टॉड ने कहा → इसमे 10,000 घोड़ो का बल है।

→ टैस्सीटोरी ने पृथ्वीराज राठौड़ को डिंगल का हैरॉस कहा

राठौड़ के अन्य ग्रंथ :

- दसम भागवत रा दुहा
- वसदे राउत
- दशरथ राउत
- गंगा लहरी

पाथल | पिथल → सोढियो
↓ महाराणा प्रताप
↓ पृथ्वीराज राठौड़.

L.P. टैस्सीतौरी → इटली के उदिने गांव मे जन्मे

↳ वेली कृष्ण रूक्मणी री वचनिका चारण साहित्य पर शोध किया

✓ छतरी → बीकानेर मे

✓ गुरु → विजय धर्म

महाराजा कर्ण सिंह → 1632-1669

↳ उपाधि → जांगल धर बादशाह की उपाधि
↓
अटक नदी के किनारे राजस्थान के शासको ने दी

खजुवा का युद्ध → महाराजा कर्ण सिंह के पुत्र पद्म सिंह और केसरी सिंह ने शुजा के खिलाफ औरंगजेब का साथ दिया

पद्मसिंह को फाउलर ने "दा लॉयन हर्ट" कहा
↳ रिचर्डस नामक व्यक्ति से तुलना की है।

कर्ण सिंह ने संस्कृत भाषा में "साहित्यकल्पद्रुम नामक ग्रन्थ लिखा

गंगाधर मैथिली → कर्न भूषण और काव्य डाकिनी ग्रंथ लिखा

मतीरे की राड. → 1644

↳ बीकानेर का गाव → खिलका गांव (महाराजा कर्न सिंह)

नागौर का गांव → जाखणीया गांव (अमरसिंह राठौड.)

इस युद्ध मे कर्ण सिंह राठौड. की जीत हुयी

→ अमरसिंह राठौड. ने आगरा दरबार मे सलावत खाँ की हत्या की

नोट :

→ महाराजा अनुप सिंह :

उपाधि → महाराजा | माही भरातिब

→ महाराजा अनुप सिंह
→ गज सिंह ✓
→ रत्न सिंह ✓

BKNR के शासक

→ अनुप सिंह विद्वानो का आश्रयदाता था

→ बीकानेर चित्रकला शैली | उस्ताकला | मुनावती का स्वर्ण काल

→ महाराजा अनुपसिंह 33 करोड़ देवी देवताओ का मन्दिर बनवाया। जिसमे पंचमुखी | सिंह पर स्वार गणेश | हेराम्भ गणेश मन्दिर स्थित है)

(जोधपुर)

→ अनुप सिंह के उत्तकाल। चित्रकला के कलाकार मुसलमान सर्वाधिक लाहौर से बीकानेर आये

→ ✓ 1678 अनुप सिंह ने घग्घर नदी के किनारे चुघेर (अनूपगढ) बसाया।

→ अनुप सिंह के दरबारी विद्वान

✓ मणीराम ✓
- ✓ अनुप विलास
- ✓ अनुप व्यवहार

✓ भावभट्ट
- ✓ अनुप संगीत रत्नाकर
- ✓ अनुप भाव विलास (संगीत)
- ✓ संगीत अनुप अंकुश

✓ अनुप सिंह के ग्रन्थ → आह्न प्रयोग चिंतामणी

↳ अनुपविवेक

— अनुपोदय → संस्कृत भाषा

→ चिन्तामणी

→ महाराणा कुंभा के ग्रंथों का संकलन करवाया।

→ राजस्थानी भाषा में ग्रंथों का अनुवाद →

↳ भागवत गीता का अनुवाद → आनंदराम ने किया। ✓

→ शुक कारिका

→ बेताल पच्चिशी ✓

महाराजा सूरत सिंह

↳ 1805 → भटनेर पर आक्रमण किया सूरत सिंह ने

↳ भटनेर शासक जाब्ता सिंह भाटी को हराकर भटनेर पर अधिकार किया और भटनेर का नाम हनुमानगढ़ रखा

→ 1814 → चुरू पर आक्रमण

↳ चुरू का ठाकुर श्योजी (शिवसिंह) पर आक्रमण कर चुरू पर अधिकार किया

→ इस दुर्ग से चान्दी के गोले दागे गये थे

→ 1800 ई. अंग्रेज अधिकारी जार्ज थाम्स ने आक्रमण किया BKNR पर

→ जार्ज थाम्स को "झाझड़ फिरंगी" कहा जाता है।

1818 → बीकानेर शासक सूरत सिंह ने अंग्रेजों से संधि की

→ गिंगोली | गिंगोड़ी का युद्ध 1807 में जयपुर शासक जगत सिंह II का साथ सूरत सिंह ने दिया

→ 1799 ई. में घग्घर नदी के किनारे सौंडलगढ़ (सूरतगढ़) बसाया

→ बीकानेर की अन्तिम सति → दीप कुंवर (महाराजा सूरत सिंह की पुत्रवधु)

रतन सिंह :

- रतन बिहारी मंदिर बनवाया था
- 1836 → कन्या वध पर रोक लगवायी
- 1844 → मे कन्या वध पर आज्ञा जारी की
- तीर्थ यात्रा कर समाप्त

(imp) अंग्रेजों से संधि के बाद 1829 मे जैसलमेर शासक गजसिंह महाराजा रतन सिंह के मध्य युद्ध

→ जैसलमेर और BKNR के मध्यस्थता मेवाड़ शासक जवान सिंह के सहयोग से समझौता हुआ

→ सरदार सिंह :

↳ राजस्थान का एकमात्र शासक जो 1857 की क्रान्ति में अंग्रेजों का साथ देने के लिए बडालू, हांसी हिसार, सिरसा गया

↳ अंग्रेजों ने सरदार सिंह 41 गांव और टीब्बी परगना उपहार में दिया

↳ महाराजा डूंगर सिंह :

↳ बीकानेरी भुजीया महाराजा डूंगर सिंह की देन है

↳ हिमालय से नहर लाने का सपना महाराजा डूंगरसिंह ने दिया

महाराजा गंगा सिंह → 1887-1943

↳ शिक्षा → लॉर्ड मेयो कॉलेज अजमेर

↳ शिक्षक → राम चन्द्र दुबे

↳ उपनाम : राज० का भागीरथ कहा जाता है।

↳ (1899ई) वि० सं० 1956 में छप्पनीया अकाल पड़ा

↳ गंगा सिंह ने अकाल के समय लोगो के लिए सदाव्रत खोले
पशुओं के लिए हरे चारे की व्यवस्था करवायी

↳ अंग्रेजों ने "कैसर-ए-हिन्द" की उपाधि दी गंगा सिंह को

↳ 1899 में बॉक्सर युद्ध में चीनी सेना के साथ युद्ध किया

1903 → एडवर्ड सप्तम के आगमन पर दिल्ली मे भाग लिया

1911 ई जार्ज पन्चंम के राज्याभिषेक मे भाग लेने के लिए लन्दन गये

1913 ई. मे प्रजा प्रतिनिधि सभा की स्थापना की

1919 → वर्साय की संधि मे भारत की तरफ से भाग लिया

1924 → जिनेवा मे सम्मेलन हुआ उसमे गंगा सिंह ने भाग लिया

1921 → मे नरेन्द्र मण्डल के चांसलर बने (1921 - 1925)

1920 → मदन मोहन मालवीय को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के लिए सर्वाधिक धनराशी प्रदान की

↳ इस विश्वविद्यालय के कुलपति बने ✓

1927 → गंग नहर का निर्माण करवाया। (1921 - 1927)

1930, 31, 32, तीन गोलमेज सम्मेलन मे भाग लेने वाले महाराजा गंगा सिंह थे

→ 1930 → बीकानेर षड्यंत्र केस चला

1936 बीकानेर प्रजामण्डल बना

1942 बीकानेर प्रजा परिषद का गठन हुआ रघुवर दयाल गोयल

1943 ई. मे मुम्बई मे महाराजा गंगा सिंह की मृत्यु

सार्दुल सिंह : राजा के एकीकरण के विलय के समय बीकानेर शासक थे

→ **पंच पाने** : महाराजा सार्दुल सिंह ने अपने पांच लड़को को अलग-2 जागीर/परगना दिया वो पन्चपाने कहलाया।